RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

INDORE ■ 12 JUNE TO 18 JUNE 2024 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 09 ■ अंक 38 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

पेट्रोल और डीजल के भरे रहेंगे भंडार, कोई पूछने को नहीं होगा तैयार; 6 साल बाद ऐसा होगा Page 2

तीन साल तक भारत बना रहेगा ग्लोबल इकॉनमी का सरताज Page 3

नई सरकार के सामने जीएसटी-महंगाई सहित होंगी ये कई चुनौतियां, इन नीतिगत मुद्दों को करना पड़ेगा सामना Page 4

दुनिया में सबसे अधिक भारत में बढ़ेगी तेल की मांग, चीन-अमेरिका भी पीछे छूटेंगे

एजेंसी

भारत की कच्चे तेल की मांग 2023 में 54 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) से बढ़कर 2030 तक 67 लाख बीपीडी हो जाने का अनुमान है। यह 3.2 प्रतिशत या 13 लाख बीपीडी की वृद्धि है। आने वाले सालों में भारत में तेल की मांग दुनिया में किसी दूसरे देशों के मुकाबले अधिक तेजी से बढ़ेगी। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने बुधवार को कहा कि दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता भारत इस दशक के उत्तरार्ध में वैश्विक तेल मांग में अग्रणी बन जाएगा। एजेंसी ने 2023 और 2030 के बीच खपत में 13 लाख बैरल की भारी वृद्धि का अनुमान लगाया है। एजेंसी ने अपनी 'ऑयल 2024 रिपोर्ट' में कहा कि अनुमान है कि 2023 और 2030 के बीच भारत की तेल मांग चीन के अलावा किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक बढ़ेगी।

13 लाख बीपीडी की वृद्धि होगी

भारत की कच्चे तेल की मांग 2023 में 54 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) से बढ़कर 2030 तक 67 लाख बीपीडी हो जाने का अनुमान है। यह 3.2 प्रतिशत या 13 लाख बीपीडी की वृद्धि है।

रिपोर्ट के अनुसार, "असामान्य रूप से, वैश्विक संदर्भ में 13 लाख बीपीडी से अधिक की वृद्धि में सबसे ज्यादा योगदान सड़क परिवहन ईंधन की बढ़ती मांग का होगा। इसमें पेट्रोरसायन फीडस्टॉक्स का अपेक्षाकृत कम योगदान होगा और अंतर्निहित वृद्धि स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों की तैनाती से काफी आगे निकल जाएगी। इसमें कहा गया, 2025 और 2030 के बीच भारत की तेल मांग में नौ लाख बीपीडी की वृद्धि होगी, जो चीन की 5.7 लाख बीपीडी की मांग वृद्धि से काफी अधिक है।

2029 तक चरम पर पहुंचेगी तेल की मांग

विश्व के लिए, आईईए ने पूर्वानुमान लगाया है कि तेल की मांग 2029 तक चरम पर पहुंच जाएगी तथा उससे अगले वर्ष इसमें कमी आनी शुरू हो जाएगी। भारत में तेल की मांग में वृद्धि मुख्य रूप से तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के कारण है। भारत 2024 में लगातार तीसरे वर्ष दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है।

editorial

जल संरक्षण जरूरी

साल-दर-साल गर्मियों में तापमान बढ़ते जाने से देश के विभिन्न हिस्सों में पेयजल की कमी की समस्या गंभीर होती जा रही है. सूखे क्षेत्रों और अनेक महानगरों में तो यह बेहद गहन है. कुछ समय पहले दक्षिण में बेंगलुरु में पानी के लिए कई दिनों तक हाहाकार मचा रहा था. वहां अभी भी स्थिति सामान्य नहीं हो पायी है कि दिल्ली में जल संकट आ खड़ा हुआ है. अनेक शहरों में आपूर्ति बाधित हुई है. हमारे देश में दुनिया की 18 फीसदी आबादी बसी हुई है, पर साफ पानी का महज चार फीसदी ही हमारे हिस्से है. यदि हमने दूरदर्शिता के साथ नदियों, जलाशयों, भूजल और वर्षा जल का संरक्षण किया होता तथा पानी के उपभोग को नियंत्रित रखा होता है, तो आज की स्थिति पैदा ही नहीं हो पाती. निश्चित रूप से धरती के बढ़ते तापमान के साथ जलवायु में तेजी से बदलाव आ रहा है. यह बदलाव पृथ्वी पर सभी जीवों के अस्तित्व के लिए खतरा बनता जा रहा है. इस खतरे के लिए भी मानवीय उपभोग उत्तरदायी है. हमारे देश में नदियों, जलाशयों, भूजल और बरसात से जितना पानी उपलब्ध है, वह हमारी वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त है. पर अंधाधुंध बढ़ते शहरीकरण ने बड़ी संख्या में जलाशयों और छोटी नदियों को निगल लिया. जमीन पर कंक्रीट पसार कर हमने बारिश के पानी को मिट्टी में जाने और भूजल के रिचार्ज होने की प्रक्रिया को अवरुद्ध कर दिया. इस गलती के कारण पानी की कमी ही नहीं, औचक बरसात से शहरों में बाढ़ आने की घटनाओं में भी बढ़ोतरी हुई है. अधिक समय नहीं बीता है, जब बेंगलुरु में झीलों एवं तालाबों की भरमार थी तथा दिल्ली में भी कई जलाशय होते थे. प्रदूषण, गाद भरने और बालू खनन जैसे विभिन्न कारणों से नदियों का जल स्तर तेजी से गिर रहा है. भयावह दोहन ने भूजल का स्तर बहुत नीचे कर दिया है. केंद्र और राज्य सरकारों ने नल से जल पहुंचाने के लिए उल्लेखनीय प्रयास किये हैं, पर पानी की उपलब्धता तथा गुणवत्ता पर समुचित ध्यान दिये बिना आपूर्ति को बेहतर नहीं किया जा सकता है. यह भी एक बड़ा असंतुलन है कि सरकार और समाज के स्तर पर आपूर्ति पर अधिक ध्यान दिया गया है. हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि नदी, जलाशय या भूमि में पानी होगा, तभी उसे घरों, बाजारों और उद्योगों तक पहुंचाया जा सकता है. दूषित पेयजल के मामले में हम 180 देशों में 141 वें स्थान पर हैं. हमारा लगभग 70 प्रतिशत पानी प्रदूषित है. देश के सैकड़ों जिलों में भूजल में आर्सेनिक तत्वों का मिश्रण है. पानी की मांग बढ़ती जा रही है. ऐसे में हमें जल संरक्षण तथा समुचित उपभोग को प्राथमिकता देनी होगी, अन्यथा यह संकट सघन होता जायेगा.

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर

अप्रैल महीने में 5 प्रतिशत बढ़ा भारत का औद्योगिक उत्पादन

नई दिल्ली। एजेंसी

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर एक अच्छी खबर है। देश का औद्योगिक उत्पादन अप्रैल महीने में 5 फीसदी की दर से बढ़ा है। सरकार ने शुक्रवार 12 जून को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी। देश के औद्योगिक उत्पादन को 'इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन (IIP)' के आधार पर मापा जाता है। इससे पहले मार्च महीने में औद्योगिक उत्पादन की ग्रोथ 4.9 फीसदी रही थी। वहीं अगर इस साल की शुरुआत से बात करें तो, जनवरी 2024 में औद्योगिक उत्पादन ग्रोथ 4.1 फीसदी रहा था। वहीं फरवरी 2024 में यह पिछले 4 महीनों के सबसे उच्च स्तर 5.7 फीसदी पर पहुंच गया था। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक या छ्छ का इस्तेमाल इकॉनोमी के विभिन्न क्षेत्रों में मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों को मापने के लिए किया जाता है। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल महीने में माइनिंग सेक्टर का उत्पादन सालाना आधार पर 6.7 फीसदी बढ़ा। वहीं मैन्युफैक्चरिंग और इलेक्ट्रिसिटी सेक्टर का उत्पादन इस दौरान क्रमशः 3.9 फीसदी और 10.2 फीसदी की दर से बढ़ा। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के अंदर, बेसिक मेटल्स सेक्टर का उत्पादन अप्रैल में 8.1 फीसदी बढ़ा है। वहीं कोक और रिफाइंड पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का उत्पादन 4.9 फीसदी की दर से बढ़ा। जबकि मोटर व्हीकल्स के उत्पादन में 11.4 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की गई।

अप्रैल 2024 में छ्छ की ग्रोथ रेट प्राइमरी गुड्स में 7.0 प्रतिशत, कैपिटल गुड्स में 3.1 प्रतिशत, इंटरमीडियरीज गुड्स में 3.2 प्रतिशत, इंफ्रास्ट्रक्चर/कंस्ट्रक्शन गुड्स में 8.0 प्रतिशत और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 9.8 प्रतिशत रही। अप्रैल 2024 में उकंज्यूमर नॉन- ड्यूरेबल्स वस्तुओं में 2.4 प्रतिशत की नेगेटिव ग्रोथ रेट देखी गई। मई में खुदरा महंगाई 12 महीने के निचले स्तर पर

मई महीने में खुदरा महंगाई दर घटकर 12 महीने के निचले स्तर 4.75 फीसदी पर आ गई। इसके पहले अप्रैल में कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (CPI) इन्फ्लेशन 4.83 फीसदी पर था। ये आंकड़े आज 12 जून को भारत सरकार ने जारी किए हैं। अपनी लेटेस्ट पॉलिसी रिव्यू में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने वित्त वर्ष 2025 के लिए मुद्रास्फीति अनुमान को 4.5 फीसदी पर बनाए रखा, लेकिन कहा कि खाद्य कीमतें स्थिर बनी रह सकती हैं।

मोदी 3.0 सरकार का पहला फैसला

पीएम किसान निधि की 17वीं किस्त जारी, नौ करोड़ से अधिक किसानों को होगा फायदा

नई दिल्ली। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यभार संभाल लिया है। तीसरी बार प्रधानमंत्री बनते ही उन्होंने पहला फैसला किसानों के हित में लिया है। मोदी ने पीएम किसान निधि की 17वीं किस्त जारी कर दी है। इससे 9.3 करोड़ किसानों को फायदा होगा। इस किस्त के तहत करीब 20,000 करोड़ रुपये सीधे किसानों के खाते में जारिए किए जाएंगे। पीएम किसान निधि से जुड़ी फाइल पर साइन करने के बाद मोदी ने कहा कि हमारी सरकार पूरी तरह किसान कल्याण के लिए समर्पित है। पदभार संभालने के बाद पहला फैसला किसानों के कल्याण के लिए किया गया है। हम आने वाले समय समय में किसानों और कृषि क्षेत्र की बेहतरी के लिए और कदम उठाएंगे। यह योजना 2019 में शुरू की गई थी। इससे पहले इसकी 16 किस्तें जारी की जा चुकी हैं। पीएम किसान योजना की 16वीं किस्त 28 फरवरी को जारी हुई थी। पीएम किसान निधि के तहत देश की छोटे और सीमांत किसानों को साल में तीन किस्तों में 2,000-2000 रुपये दिए जाते हैं। इस तरह उन्हें साल में कुल 6,000 रुपये मिलते हैं। आपको 17वीं किस्त का लाभ मिलेगा या नहीं आप घर बैठे इसका पता लगा सकते हैं। इसके लिए आपको पीएम किसान पोर्टल https://pmkisan.gov.in/ पर विजिट करना होगा। पीएम किसान योजना के अंतर्गत ई-केवाईसी करवाना भी अनिवार्य है।

ई-केवाईसी

धोखाधड़ी को रोकने के लिए और अपात्र किसानों की पहचान करने के लिए ई-केवाईसी को शुरू किया गया है। वहीं अगर आप तय समय तक भू-सत्यापन नहीं करवाते हैं, तो आप किस्त के लाभ से वंचित रह सकते हैं। नियमों के तहत इस काम को करवाना जरूरी है। अगर आपने अपने आधार कार्ड को अपने बैंक खाते से लिंक नहीं करवाया है, तो भी आप किस्त के लाभ से वंचित रह सकते हैं।

कच्चे तेल की मांग में सबसे आगे रहेगा भारत, अप्रैल-मई में 16,600 करोड़ के आईफोन का निर्यात

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत कच्चे तेल की मांग के मामले में दुनिया में सबसे आगे निकल जाएगा। 2023 से 2030 के बीच दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल आयातक देश में क्रूड की खपत में 13 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) की भारी वृद्धि की संभावना है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने बुधवार को 'ऑयल 2024 रिपोर्ट' में कहा, 2023 से 2030 के बीच भारत की तेल मांग चीन के अलावा किसी भी अन्य देश की तुलना में सबसे अधिक बढ़ेगी। इस अवधि में भारत में कच्चे तेल की मांग 2030 तक 13 लाख बीपीडी या 3.2 फीसदी बढ़कर 67 लाख बीपीडी पहुंच जाएगी। 2023 में मांग 54 लाख बीपीडी रही है। भारत में मांग बढ़ने की प्रमुख वजह तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है।

देश से अप्रैल-मई में 16,600 करोड़ के आईफोन का निर्यात

एपल ने चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों यानी अप्रैल-मई में भारत से 16,600 करोड़ रुपये के आईफोन का निर्यात किया है। यह देश के कुल आईफोन उत्पादन का 81 फीसदी है। कंपनी ने दोनों महीनों में एक-एक अरब डॉलर से ज्यादा का निर्यात किया है। पिछले वित्त वर्ष में एपल ने 10 अरब डॉलर मूल्य के आईफोन का निर्यात किया था। एपल के तीन प्रमुख विक्रेताओं फॉक्सकॉन, पेगाट्रॉन और विस्ट्रॉन का उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत उत्पादन मूल्य निर्यात सहित 10.2 अरब डॉलर तक पहुंचने का लक्ष्य है। हालांकि, इसका 25 फीसदी हिस्सा दो माह में ही हासिल कर लिया है। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी की देश के कुल मोबाइल फोन निर्यात में 65 फीसदी हिस्सेदारी थी।

एक्सिस बैंक पर लगा 1.66 करोड़ रुपये का जुर्माना

वित्तीय खुफिया इकाई ने धोखाधड़ी का पता लगाने में विफल रहने पर एक्सिस बैंक पर 1.66 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। बैंक की एक शाखा में फर्जी खाता बनाकर संदिग्ध लेनदेन किया गया था। इसका पता लगाने में बैंक विफल रहा था। यह खाता आतंकवाद निरोधी कमांडो बल एनएसजी के नाम से खोला गया था।एक्सिस बैंक के एक कर्मचारी पर दूसरों के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी और घोटाले में शामिल होने का आरोप लगा है।

सभी जीवन बीमा पॉलिसी में देनी होगी कर्ज की सुविधा

बीमा कंपनियों को अब सभी जीवन बीमा बचत उत्पादों में पॉलिसी लोन की सुविधा देनी होगी। इससे पॉलिसीधारक तरलता की जरूरतों को पूरा कर सकेंगे।

भारतीय बीमा विनियामक व विकास प्राधिकरण के मुताबिक, पेंशन उत्पादों के तहत आंशिक निकासी की सुविधा की मंजूरी भी दी गई है। इससे पॉलिसीधारक उच्च शिक्षा या बच्चों की शादी, घर खरीदने, चिकित्सा व गंभीर बीमारी में वित्तीय जरूरतों को पूरा कर सकेंगे। प्राधिकरण ने पॉलिसी के नियमों व शर्तों की समीक्षा करने वाले नियम फ्री लुक की अवधि भी 15 से बढ़ाकर 30 दिन कर दी है। इरडाई ने कहा, पॉलिसी सरेंडर करने वाले और पॉलिसी जारी रखने वालों के लिए तर्कसंगत और पैसे का मूल्य सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

हेलमेट पर GST घटाने की मांग

अंतरराष्ट्रीय सड़क महासंघ ने जीएसटी परिषद और वित्त मंत्रालय से हेलमेट पर जीएसटी को 18 फीसदी से घटाकर शून्य करने की मांग की है। इससे हेलमेट के इस्तेमाल को बढ़ावा मिलेगा। संघ ने कहा, जीएसटी की दर कम होने से हेलमेट सस्ता हो जाएगा।

PFS चेयरमैन पर 10 लाख जुर्माना

सेबी ने कॉरपोरेट गवर्नेंस नियमों को तोड़ने पर पीटीसी इंडिया फाइनेंशियल सर्विसेस (पीएफएस) चेयरमैन राजीब कुमार मिश्रा पर 10 लाख का जुर्माना लगाया है। 6 माह तक किसी कंपनी में निदेशक पद लेने पर भी रोक लगाई है। कंपनी के पूर्व एमडी पवन सिंह पर भी 25 लाख का दंड लगाया है।

SBI कैप ने 25 लाख में निपटाया मामला

एसबीआई कैप ट्रस्टी ने सेबी के साथ नियमों के उल्लंघन के मामले में 25 लाख रुपये भरकर निपटान कर लिया है। बुधवार को कंपनी ने बताया कि एसबीआई कैप ट्रस्टी ने सेबी के पास एक अपील फाइल किया था। इसके बाद उसे निपटान करने की मंजूरी मिली।

पेट्रोल और डीजल के भरे रहेंगे भंडार, कोई पूछने को नहीं होगा तैयार; 6 साल बाद ऐसा होगा

नई दिल्ली। एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने बुधवार को प्रकाशित एक वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि दुनिया में 2030 तक कच्चे तेल का सरप्लस होने की संभावना है। क्योंकि लगातार अक्षय ऊर्जा के संसाधनों की तरफ बढ़ता विश्व कच्चे तेल के नए विकल्प खोज रहा है। इस रिपोर्ट के अनुसार इस दशक के अंत तक वैश्विक मांग 106 मिलियन बैरल प्रति दिन (बीपीडी) तक पहुंचने की उम्मीद है, जबकि कुल वैश्विक आपूर्ति क्षमता 114 मिलियन बीपीडी तक पहुंच सकती है। यह पूर्वानुमान ऐसे समय में आया है जब कुछ दिन पहले ही कच्चे तेल के उत्पादकों के प्रमुख समूह ओपेक ₹ द्वारा संकेत दिए गए थे कि वे वैश्विक मांग और आपूर्ति को बराबर रखने के लिए सितम्बर से कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती करना शुरू कर देंगे। दुनियाभर में कच्चे तेल की मांग के कमजोर होने के पूर्वानुमानों की आशंकाओं के चलते ही ओपेक समूह द्वारा इस मुद्दे पर विचार किया गया था।

भारत और चीन पर पड़ेगा प्रभाव

अपनी रिपोर्ट में आईईए ने कहा कि विमानन और पेट्रोकेमिकल क्षेत्रों के साथ-साथ चीन और भारत जैसे तेजी से बढ़ते एशियाई देश अभी भी तेल की मांग को बढ़ाएंगे। 2023 में 102 मिलियन बापीडी थी। इस रिपोर्ट के अनुसार 2029 तक तेल की मांग अपने चरम पर पहुंच जाएगी उसके बाद इसमें अगले वर्ष यानि की 2030 से ही कमी आनी शुरू हो जाएगी। भारत और चीन में तेल की मांग की वृद्धि मुख्य रूप से तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के कारण है। लेकिन पारंपरिक वाहनों के लिए ईंधन दक्षता में वृद्धि के साथ-साथ इलेक्ट्रिक कारों की ओर बदलाव और बिजली उत्पादन के लिए मध्य पूर्वी देशों द्वारा तेल के उपयोग में कमी से 2030 तक कुल मांग में वृद्धि को लगभग दो प्रतिशत तक कम करने में मदद मिलेगी।

इन सबके साथ संयुक्त राज्य अमेरिका और अमेरिका के अन्य देशों के नेतृत्व में तेल उत्पादन क्षमता में वृद्धि होती दिख रही है। इसके साथ ही ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते प्रभाव के कारण आर्कटिक सागर और महाद्वीप और अंटार्कटिका में नए तेल के स्रोत मिलने की संभावना है। जिसके बाद तेल के उत्पादन में लगातार वृद्धि होने की संभावना है।

आईईए ने कहा,' ऐसे स्तरों पर अतिरिक्त क्षमता तेल बाजारों के लिए महत्वपूर्ण परिणाम दे सकती है। जिसका असर ओपेक देशों और अमेरिकी तेल उत्पादक कंपनियों पर भी पड़ेगा। एजेंसी के कार्यकारी निदेशक फातिह बिरोल ने एक बयान में कहा, 'जैसे-जैसे महामारी की लहर कमजोर पड़ रही है, स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन आगे बढ़ रहा है और चीन की अर्थव्यवस्था की संरचना बदल रही है, वैश्विक तेल मांग में वृद्धि धीमी हो रही है और 2030 तक अपने चरम पर पहुंचने वाली है।' अपने चरम पर पहुंचने के बाद यह कम होने लगेगी। उन्होंने कहा कि तेल कंपनियां यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि उनकी व्यावसायिक रणनीतियां और योजनाएं होने वाले बदलावों के लिए तैयार हों।

Repo Rate: नई सरकार के गठन से पहले महंगे लोन से राहत नहीं

रेपो रेट में लगातार आठवीं बार कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। एजेंसी

आरबीआई (RBI) ने एक बार फिर रेपो रेट (Repo Rate) में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला किया है। यह लगातार आठवां मौका है जब रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया है। केंद्रीय बैंक ने आखिरी बार फरवरी, 2023 में रेपो दर को बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया था और तब से इसे लगातार यथावत रखा गया है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास (Shaktikanta Das) की अगुवाई वाली मौद्रिक नीति समिति (Monetary Policy Committee) ने एक बार फिर रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला किया है। दास ने आज बैठक के नतीजों की घोषणा की। इसके साथ ही लोगों को महंगे लोन से राहत के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। लोकसभा चुनावों के नतीजों की घोषणा के बाद एमपीसी की यह पहली बैठक थी। इन चुनावों में बीजेपी लगातार तीसरी बार अपने दम पर बहुमत पाने में नाकाम रही। नरेंद्र मोदी की अगुवाई में तीसरी बार केंद्र में एनडीए की सरकार बनने जा रही है।दास ने कहा कि फ्यूल की कीमतों में डिफ्लेशन चल रहा है लेकिन खाद्य महंगाई उच्च स्तर पर बनी हुई है। खाद्य महंगाई पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि खाने-पीने की चीजों की कीमत आगे भी ऊंची बनी रह सकती है। मॉनसून के सामान्य रहने से खरीफ के उत्पादन में तेजी की उम्मीद है। दास ने कहा कि गर्मी के कारण सब्जी की कीमतों में तेजी दिख रही है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में खाने-पीने की चीजों की कीमत में तेजी आई है। आरबीआई ने फाइनेंशियल ईयर 2025 में महंगाई के 4.5 फीसदी पर बने रहने का अनुमान जताया है। पहली तिमाही में खुदरा मुद्रास्फीति 4.9 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 3.8 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 4.6 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। आरबीआई को खुदरा मुद्रास्फीति दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। आरबीआई ने फाइनेंशियल ईयर में जीडीपी ग्रोथ का अनुमान सात फीसदी से बढ़ाकर 7.2 परसेंट कर दिया। दास ने कहा कि पहली तिमाही में इसके 7.3%, दूसरी तिमाही में 7.2%, तीसरी तिमाही में 7.3% और चौथी तिमाही में 7.2% रहने का अनुमान है।

क्या होता है रेपो रेट

जानकारों ने उम्मीद जताई थी कि आरबीआई की एमपीसी एक बार फिर रेपो रेट यथावत रख सकती है। एसबीआई के एक शोध पत्र के अनुसार आरबीआई चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में रेपो रेट में कटौती करेगा और यह कटौती कम रहने की संभावना है। मई में हुए एक सर्वे में 72 में से 71 अर्थशास्त्रियों ने उम्मीद जताई थी कि एमपीसी पांच से सात जून तक अपनी बैठक के दौरान रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करेगी। इसे 6.50₹ पर बनाए रखेगी। जिस तरह से आप बैंकों से अपनी जरूरतों के लिए लोन लेते हैं, ठीक उसी तरह से पब्लिक और कमर्शियल बैंकों भी अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए रिजर्व बैंक से लोन लेते हैं। जिस तरह से आप कर्ज पर ब्याज चुकाते हैं, उसी तरह से बैंकों को भी ब्याज चुकाना होता है। भारतीय रिजर्व बैंक जिस ब्याज दर पर बैंकों को लोन देता है, वह रेपो रेट कहलाता है। रेपो रेट कम होने का मतलब बैंकों को सस्ता लोन मिलेगा। अगर बैंकों को लोन सस्ता मिलेगा तो वो अपने ग्राहकों को भी सस्ता लोन देंगे। यानी अगर रेपो रेट कम होता है तो इसकी सीधा फायदा आम लोगों को मिलता है। अगर रेपो रेट बढ़ता है तो आम आदमी के लिए भी मुश्किलें बढ़ती है।

नई सरकार बनते हैं वर्ल्ड बैंक ने दी खुशखबरी

तीन साल तक भारत बना रहेगा ग्लोबल इकॉनमी का सरताज

नई दिल्ली। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनते ही इकॉनमी के मोर्चे पर अच्छी खबर आई है। विश्व बैंक ने मंगलवार

को एक रिपोर्ट में कहा कि भारत अगले तीन वर्षों में 6.7 प्रतिशत की स्थिर वृद्धि दर्ज करते हुए सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। विश्व बैंक की नवीनतम 'वैश्विक आर्थिक संभावना रिपोर्ट' के मुताबिक, भारत में वित्त वर्ष 2023-24 में आर्थिक वृद्धि बढ़कर 8.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह विश्व बैंक के जनवरी में जताए गए पिछले अनुमान से 1.9 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही विश्व बैंक ने वर्ष 2024 में वैश्विक आर्थिक वृद्धि के 2.6 प्रतिशत पर स्थिर रहने का अनुमान जताया। उसने कहा कि अगले दो वर्षों में वैश्विक वृद्धि बढ़कर औसतन 2.7 प्रतिशत तक हो जाएगी। हालांकि, यह भी कोविड-19 से पहले के दशक के 3.1 प्रतिशत से काफी कम होगी।रिपोर्ट के मुताबिक, 'इस पूर्वानुमान का मतलब है कि 2024-26 के दौरान दुनिया की 80 प्रतिशत से अधिक आबादी और वैश्विक जीडीपी वाले देश कोविड-19 से पहले के दशक की तुलना में धीमी गति से बढ़ रहे होंगे।' दक्षिण एशिया क्षेत्र में वृद्धि वर्ष 2023 में 6.6% रही थी और इसके वर्ष 2024 में सुस्त पड़कर 6.2३ रह जाने का अनुमान है। इस सुस्ती के पीछे का मुख्य कारण हाल के वर्षों में उच्च आधार से भारत की वृद्धि दर में आई नरमी होगी। हालांकि, विश्व बैंक को भारत में स्थिर वृद्धि दर के साथ 2025-26 में दक्षिण एशिया क्षेत्र की वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत पर रहने का अनुमान है। इस क्षेत्र की अन्य अर्थव्यवस्थाओं में बांग्लादेश में वृद्धि पिछले वर्षों की तुलना में थोड़ी सुस्त रह सकती है जबकि पाकिस्तान और श्रीलंका में इसके मजबूत रहने की उम्मीद है।

धीमी पड़ सकती है रफ्तार

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहेगा लेकिन इसके विस्तार की रफ्तार धीमी होने की आशंका है। वित्त वर्ष 2023-24 में उच्च वृद्धि के बाद 2024-25 से शुरू होने वाले तीन वित्त वर्षों के लिए औसतन 6.7 प्रतिशत प्रति वर्ष की स्थिर वृद्धि का अनुमान है। इस सुस्ती के लिए मुख्य रूप से उच्च आधार से निवेश में आई मंदी जिम्मेदार है। हालांकि, निवेश वृद्धि अब भी पुराने अनुमान की तुलना में मजबूत रहने की उम्मीद है और पूर्वानुमान अवधि में मजबूत बनी रहेगी, जिसमें मजबूत सार्वजनिक निवेश के साथ निजी निवेश भी होगा। रिपोर्ट के मुताबिक निजी खपत वृद्धि को कृषि उत्पादन में सुधार और महंगाई में आई गिरावट से फायदा होने की उम्मीद है। जीडीपी के सापेक्ष चालू व्यय को कम करने के सरकार के लक्ष्य के अनुरूप सरकारी खपत में धीमी वृद्धि होने का अनुमान है। रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक महंगाई 2024 में 3.5 प्रतिशत और 2025 में 2.9 प्रतिशत तक कम होने की उम्मीद है लेकिन यह रफ्तार छह महीने पहले के अनुमान की तुलना में धीमी है। इससे कई केंद्रीय बैंक नीतिगत ब्याज दरों को कम करने में सावधानी बरत सकते हैं। विश्व बैंक ने कहा कि भारत में महंगाई सितंबर, 2023 से ही रिजर्व बैंक के दो-छह प्रतिशत के निर्धारित दायरे के भीतर बनी हुई है। हालांकि, दक्षिण एशिया क्षेत्र में भारत को छोड़कर क्षेत्रीय महंगाई ऊंचे स्तर से नीचे होने के बावजूद अधिक बनी हुई है।

पेट्रोल-डीजल आएगा जीएसटी के दायरे में?

जानिए क्या कह रहे हैं नए पेट्रोलियम मिनिस्टर

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्र सरकार का प्रयास होगा कि पेट्रोल, डीजल और नेचुरल गैस जैसे ईंधन वस्तु एवं सेवा कर के दायरे में आए। यह कहना है केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी का। उन्होंने मंगलवार को ही फिर से इसी मंत्रालय का कार्यभार संभाला।

जीएसटी में लाने का प्रयास

हमारे सहयोगी ईटीनाउ के साथ बातचीत में हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि केंद्र सरकार पेट्रोल, डीजल और प्राकृतिक गैस को वस्तु एवं सेवा कर (उएऊ) के दायरे में लाने का प्रयास करेगी। यह पहली बार नहीं है कि पुरी ने पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने पर जोर दिया है। यहां तक कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी पिछले साल नवंबर में कहा था कि इसे लागू करने से लोगों को फायदा होगा। हालांकि, पुरी ने पहले हवाला दिया था कि पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के तहत लाने के लिए राज्यों को सहमत होना होगा, जिनके लिए ईंधन और शराब प्रमुख राजस्व जनरेटर हैं।

ऑयल पीएसयू बेचने के पक्ष में नहीं

उन्होंने यह भी कहा कि मोदी सरकार के नए कार्यकाल में वह सरकारी तेल कंपनियों की हिस्सेदारी बेचने के पक्ष में नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि इसी सरकार ने साल 2022 में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) की विनिवेश प्रक्रिया को रद्द इसलिए कर दिया था क्योंकि इसके लिए मैदान में सिर्फ एक बोली लगाने वाला बचा था। मंत्री की टिप्पणी के बाद बीपीसीएल, एचपीसीएल और आईओसीएल के शेयरों में थोड़े समय के लिए उछाल आया। दोपहर 1:20 बजे तक बीपीसीएल, एचपीसीएल और आईओसीएल क्रमशः लगभग 0.5 फीसदी, 0.8 फीसदी और 1.1 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे।

20 फीसदी ब्लेंडिंग होगी

उन्होंने दोहराया कि सरकार पेट्रोल में 15 प्रतिशत इथेनॉल की ब्लेंडिंग को पार करने में सक्षम थी और अगले साल तक 20 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा 'जैसा कि आप जानते हैं, प्रधान मंत्री ने 2030 तक 20% ब्लेंडिंग का लक्ष्य रखा था...मैंने जो देखा है और प्रगति पर काम के आधार पर, मुझे पूरा विश्वास है कि 20% ब्लेंडिंग लक्ष्य, 2025 तक पूरा हो जाएगा।'

आईफोन बनाने वाली Apple पर एआई चिप कंपनी Nvidia पड़ गई भारी, अब माइक्रोसॉफ्ट की है बारी

नई दिल्ली। एजेंसी

एआई चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया (Nvidia) ने कमाल कर दिया है। यह दुनिया की दूसरी सबसे वैल्यूएबल कंपनी बन गई है। बुधवार को कंपनी के शेयरों में 5.16 फीसदी तेजी आई और इसका मार्केट कैप 3.011 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया। इसके साथ ही इसने आईफोन बनाने वाली कंपनी ऐपल (Apple) को पछाड़ दिया है। ऐपल का मार्केट कैप 3.003 ट्रिलियन डॉलर रह गया है। माइक्रोसॉफ्ट (Microsoft) 3.151 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। एनवीडिया तीन ट्रिलियन डॉलर का मार्केट कैप छूने वाली अमेरिका की तीसरी कंपनी है। इससे पहले माइक्रोसॉफ्ट और ऐपल यह मुकाम हासिल कर चुकी हैं। इस साल एनवीडिया के शेयरों में 155 फीसदी तेजी आ चुकी है। इससे कंपनी का मार्केट कैप 1.83 ट्रिलियन डॉलर बढ़ा है।एआई चिप की डिमांड में तेजी का सबसे ज्यादा फायदा सेंटा क्लारा हेडक्वार्टर वाली कंपनी एनवीडिया को ही मिला है। पिछले साल कंपनी के शेयरों में 239 फीसदी तेजी आई थी जबकि इस साल यह 155 फीसदी चढ़ चुका है। कंपनी के फाउंडर और सीईओ जेंसन हुआंग ने हाल में कहा था कि कंपनी

2026 में अपना सबसे एडवांस्ड एआई चिप प्लेटफॉर्म Rubin लॉन्च करेगी। यह Blackwell का स्थान लेगा जो डेटा सेंटर्स को चिप सप्लाई करता है। इसे मार्च में लॉन्च किया गया था और तब कंपनी ने इसे दुनिया का सबसे पावरफुल चिप बताया था। दुनिया में एआई चिप की बिक्री में एनवीडिया की हिस्सेदारी करीब 70 फीसदी है। यही वजह है कि दुनिया के एनालिस्ट्स को लगता है कि कंपनी का शेयर अभी और ऊपर जा सकती है।

हुआंग ने लगाया दौलत का अंबार

ताइवान में जन्मे हुआंग ने साल 1993 में एनवीडिया की स्थापना की थी। कंपनी में उनकी 3.5% हिस्सेदारी है। एनवीडिया के शेयरों में तेजी से हुआंग की नेटवर्थ भी रॉकेट की स्पीड से बढ़ी है। इस साल वह सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शख्स हैं। Bloomberg Billionaires Index के मुताबिक हुआंग की नेटवर्थ इस साल 63.4 अरब डॉलर बढ़ी है। वह 107 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के 13वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं। अगर उनकी नेटवर्थ इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो वह जल्दी ही मुकेश अंबानी को पछाड़ सकते हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज (Reliance Industries) के चेयरमैन अंबानी अभी 109 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के 11वें सबसे अमीर शख्स हैं।

एयर इंडिया ने की 'फेयर लॉक' की शुरुआत, अब किराए में अचानक बदलाव से नहीं होगी दिक्कत

नई दिल्ली। एजेंसी

एयर इंडिया ने यात्रियों के लिए एक नई सर्विस की शुरुआत की है। इस नई सुविधा से यात्रियों को अब किराए में अचानक होने वाले बदलाव से किसी तरह की कोई समस्या नहीं होगी। इस सुविधा का नाम 'फेयर लॉक' है। इससे यात्रियों को अपना ट्रैवल प्लान बनाने में ज्यादा आसानी रहेगी। दरअसल भारत की प्रमुख एयरलाइन, एयर इंडिया ने अपनी वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर टिकट बुकिंग प्रक्रिया में एक नया फीचर 'किराया लॉक' शामिल किया है। इससे यात्री अपनी पसंद की फ्लाइट का किराया कम शुल्क में 48 घंटे के लिए रोक सकते हैं, जिससे वह आराम से अपने ट्रैवल पेग्राम को अंतिम रूप दे सकते हैं।इस सुविधा के चलते अब यात्रियों को अपनी पसंदीदा फ्लाइट के किराए में अचानक होने वाले बदलाव या सीटों की उपलब्धता को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। हालांकि ध्यान रखें कि यह सुविधा फ्लाइट की तारीख से कम से कम 10 दिन पहले वाली फ्लाइट्स के लिए ही उपलब्ध है।

इस तरह लॉग करें किराया

किराया लॉक का इस्तेमाल करने के लिए एयर इंडिया के यात्रियों को बस अपनी पसंदीदा फ्लाइट चुननी होगी। इसके बाद बुकिंग प्रक्रिया के दौरान किराया लॉक विकल्प को चुनना होगा। अब एक बार गैर-वापसी शुल्क का भुगतान करना होगा। इसके बाद में, वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर 'बुकिंग प्रबंधित करें' विकल्प का चयन करके चुने हुए किराए पर अपनी बुकिंग की पुष्टि कर सकते हैं। इस सुविधा का फायदा उठाने के लिए आपको कुछ पेमेंट करना होगा। यह किराया लॉक शुल्क अलग-अलग रूट के हिसाब से तय होता है और प्रति यात्री प्रति टिकट पर लागू होता है। हालांकि यह शुल्क गैर-वापसी योग्य है। फेयर लॉक एयर इंडिया की बढ़ती हुई सेवाओं में एक नया इजाफा है, जिसका लक्ष्य यात्रियों को बेहतर यात्रा का अनुभव देना है। बता दें कि 15 अक्टूबर, 1932 को अपनी पहली उड़ान के बाद से, एयर इंडिया ने दुनिया भर के शहरों, यूएसए, कनाडा, यूके, यूरोप, सुदूर-पूर्व, दक्षिण-पूर्व एशिया, ऑस्ट्रेलिया और खाड़ी के लिए नॉन-स्टॉप उड़ानों के साथ एक बड़ा घरेलू नेटवर्क बनाया है।

रसोई में महंगाई, अब महंगी होगी दाल फ्राई

बढ़ गया पूड़ी-पराठा बनाने का खर्च, सलाद का भी बिगड़ा जायका

नई दिल्ली। एजेंसी

महंगाई डायन एक बार फिर सुरसा की तरह मुंह फैलाने लगी है। पहले दूध महंगा हुआ, फिर टोल के दाम बढ़े और अब हमारी रसोई में भी घुस आई है। बीते एक महीने में रसोई से जुड़ी चीजों के दाम धड़ाधड़ बढ़ रहे हैं और आम आदमी की थाली महंगी होती जा रही है। खाने का तेल हो प्याज या टमाटर सभी की कीमतों में बड़ा उछाल दिख रहा है। सोयाबीन का तेल हो या सरसों का, सभी के दाम एक महीने के भीतर करीब 15 फीसदी बढ़ चुके हैं।इसकी वजह घरेलू भी है और विदेशी भी। यानी इस बार तेल की कीमतों पर दोतरफा मार पड़ रही है।

तेल, प्याज और टमाटर महंगे होने से दाल फ्राई खाना, पूड़ी-पराठे बनाना या फिर सलाद खाना भी महंगा हो गया है। तेल की कीमतों में तो महीनेभर के भीतर 15 फीसदी का बड़ा उछाल आया है, जबकि प्याज और टमाटर 50 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव को भी पार कर गया है। इतना ही नहीं आलू की कीमतों में भी तेजी दिख रही है, जो आम आदमी की सबसे बड़ी रोजमर्रा की जरूरत वाली चीजें हैं।

क्यों महंगा हो रहा तेल

यह बात तो सभी को पता है कि भारत अपनी कुल खपत का 60 फीसदी से ज्यादा तेल बाहर से मंगाता है। अभी अर्जेंटीना और ब्राजील से सोयाबीन तेल की सप्लाई बाधित हो गई है, जिससे रिफाइन तेल महंगा हो रहा। इसी तरह, सरकार की ओर से अनाज खरीदने

वाली एजेंसी नैफेड और हैफेड ने सरसों की बंपर खरीदारी की है, जबकि किसान भी अपनी फसल बाजार में बेचने के बजाए कीमतें और बढ़ने का इंतजार कर रहे हैं। दूसरी ओर, शादियों का सीजन होने से मांग लगातार बढ़ती जा रही है और सप्लाई कम होने से कीमतों में भी उछाल दिख रहा है। अर्जेंटीना में कामगारों का विरोध प्रदर्शन चल रहा तो ब्राजील में बाढ़ से सोयाबीन का उत्पादन प्रभावित हुआ है।

प्याज-टमाटर-आलू आसमान की ओर

रसोई में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले प्याज, टमाटर और आलू जैसी सब्जियों के दाम लगातार आसमान की ओर जा रहे हैं। आलम ये है कि देश की सबसे बड़ी प्याज मंडी नासिक की लासलगांव मंडी में 17 मई को जहां प्याज की थोक कीमत 26 रुपये किलो थी, जो 30 रुपये किलो पहुंच गई है और खुदरा बाजार में तो 50 रुपये के आसपास बिक रहा है. टमाटर भी गुस्से में लाल हो रहा और जून से पहले 30-35 रुपये किलो बिक रहा टमाटर अब 50 से 60 रुपये के भाव पहुंच गया है। आलू भी ज्यादातर खुदरा बाजार में 30 रुपये प्रति किलो के ऊपर ही बिक रहा है, जबकि महानगरों में तो 50 तक का रेट जा रहा है. ट्रेडर्स का कहना है कि जुलाई से पहले सब्जियों की कीमतों में राहत की उम्मीद नहीं है।

तेल पर क्यों होता है खेल

तेल चाहे खाने का हो या वाहनों में इस्तेमाल करने वाला, भारत के लिए हमेशा सिरदर्द बना रहता है। इसकी बड़ी वजह हमारी आयात पर निर्भरता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि देश में सालाना खाने के तेल की कुल खपत करीब 2.2 करोड़ टन है। इसमें से 1.5 करोड़ टन बाहर से मंगाना पड़ता है। जाहिर है कि विदेशी बाजार में कोई भी हलचल होने पर सीधा असर हमारे आयात बिल पर पड़ेगा, जो आखिर में हमारी थाली को ही महंगा करता है। देश के किसान भी सरसों बाजार में बेचने के बजाए कीमतें और बढ़ने का इंतजार कर रहे, जबकि सरसों का भाव एमएसपी के 5,650 रुपये प्रति क्विंटल से ऊपर जा चुका है।

फिर बढ़ी राशन कार्ड को आधार से लिंक करने की डेडलाइन, जानिए कब तक करना होगा यह काम

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने जन वितरण प्रणाली (PDS) के तहत राशन लेने वाले लाभार्थियों के लिए राशन कार्ड को आधार से लिंक करने के लिए समय सीमा तीन महीने बढ़ा दी है। केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग की एक अधिसूचना में कहा गया है कि अब 30 सितंबर 2024 तक उपभोक्ता राशन कार्ड को आधार से लिंक करा सकेंगे। पिछली अधिसूचना में इसके लिए 30 जून 2024 तक का समय दिया गया था। सरकार ने फरवरी 2017 में पीडीएस के तहत लाभ लेने के लिए राशन कार्ड को आधार कार्ड से लिंक करना अनिवार्य किया था। हालांकि इसकी समयसीमा अब तक कई बार आगे बढ़ाई गई है। अधिसूचना के अनुसार, तय समय में या तो राशन कार्ड को आधार से लिंक करना होगा या जिन लाभार्थियों के पास आधार नहीं है उन्हें इसके लिए आवेदन कर उसका प्रमाण जमा कराना होगा। ज्यादातर पीडीएस उपभोक्ता अपने राशन कार्ड को पहले ही आधार से लिंक करवा चुके हैं। तत्कालीन उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने 20 दिसंबर 2023 को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया था कि अब तक लगभग 99.8 फीसदी राशन कार्डों को आधार से जोड़ दिया गया है।

कैसे करें अपडेट

राशन कार्ड की E-KYC करवाने के लिए आपका आधार कार्ड अपडेट होना चाहिए। उसमें दर्ज बायोमेट्रिक डिटेल के हिसाब से राशन कार्ड अपडेट किया जाएगा। अगर आपका आधार कार्ड अपडेट नहीं है तो आपको पहले उसे अपडेट करवाना होगा। राशन कार्ड की E-KYC के लिए आपको उस दुकान पर जाना होगा, जहां से आपको राशन मिलती है। हालांकि आप राशन कार्ड की जानकारी ऑनलाइन भी चेक कर सकते हैं। हर राज्य के लिए अलग साइट बनाई गई है। सभी जानकारी दर्ज करने के बाद आप राशन कार्ड की जानकारी चेक कर सकते हैं। इसके बाद सभी सदस्यों को जाकर बायोमेट्रिक के हिसाब से E-KYC करवाना होगा।

अमेरिकी अर्थशास्त्री ने दी चेतावनी, शेयर बाजार में जल्द ही 2008 से भी बड़ी गिरावट मुमकिन

अमेरिका के एक प्रमुख अर्थशास्त्री ने शेयर बाजार में जल्द ही भारी गिरावट की चेतावनी दी है। उनका कहना है कि यह संकट बड़ी मंदी के दौर से भी खतरनाक हो सकता है। अर्थशास्त्री हैरी डेन्ट (Harry Dent) का कहना था कि सारा 'बुलबुला' अभी फूटा नहीं है और यह बड़ी मंदी से भी ज्यादा भयंकर हो सकता है। डेंट ने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से पढ़ाई की है। उन्होंने कहा,' 1925 से 1929 तक यह स्वाभाविक बुलबुला था। इसके पीछे कोई पैकैज या राहत पैकेज नहीं था। लिहाजा, यह नया है। ऐसा कभी नहीं हुआ। आप हैंगओवर को दूर करने के लिए क्या करते हैं? आप और ज्यादा शराब पीते हैं। इकोनॉमी को हमेशा के लिए अतिरिक्त पैसे से भर देना लॉन्ग टर्म में इसे नुकसान पहुंचा सकता है। हालांकि, हमें यह तभी पता चलेगा, जब बुलबुला फूटेगा।' डेंट ने 1999 में जापान में एसेट की कीमतों और साल 2000 में डॉटकॉम बुलबुले के फूटने को लेकर सटीक भविष्यवाणी की थी। उन्होंने अपना अनुमान आबादी के ट्रेंड, इकोनॉमिक साइकल और मार्केट एनालिसिस के आधार पर किया है। डेंट का कहना है कि ज्यादातर बुलबुले 5 से 6 साल तक कायम रहते हैं, लेकिन मौजूदा बुलबुला पिछले 14 साल से चल रहा है। उन्होंने कहा, 'इस वजह से बाजार में गिरावट 2008-09 के दौर से भी तेज रह सकती है।' डेंट का कहना कि बुलबुला फूटने पर मार्केट में गिरावट 2007-08 के दौर से भी ज्यादा तेज रहेगी। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि S&P इंडेक्स अपने टॉप लेवल से 86 पर्सेंट तक गिर सकता है, जबकि नैस्डैक में 92 पर्सेंट गिरावट की आशंका है।' उनका यह भी कहना था कि यह गिरावट अगले साल के शुरू या बीच में देखने को मिल सकती है, जब इन्फ्लेशन को नियंत्रित करने के लिए फेडरल रिजर्व की मॉनिटरी पॉलिसी को सख्त किया जाएगा। डेंट के मुताबिक, इस बुलबुले के फूटने में हाउसिंग मार्केट की अहम भूमिका होगी। डेंट का कहना कि बुलबुला फूटने पर मार्केट में गिरावट 2007-08 के दौर से भी ज्यादा तेज रहेगी। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एंड इंडेक्स अपने टॉप लेवल से 86 पर्सेंट तक गिर सकता है, जबकि नैस्डैक में 92 पर्सेंट गिरावट की आशंका है।' उनका यह भी कहना था कि यह गिरावट अगले साल के शुरू या बीच में देखने को मिल सकती है।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से हो रही इनकम टैक्स रिटर्न की जांच, बरतें सावधानी

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

आम करदाताओं के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई है। आयकर विभाग ने प्रत्येक करदाता का एनुअल इंफार्मेशन सिस्टम (एआइएस) पोर्टल काफी समय पहले अपलोड कर दिया है। करदाताओं को अपना रिटर्न दाखिल करने से पहले एआइएस से मिलान कर लेना चाहिए। आयकर विभाग के पास कम से कम 50 अलग-अलग माध्यमों से लेन-देन की सूचना पहुंच रही है जो एआइएस में दर्ज होती है।

साथ ही दाखिल रिटर्न की जांच में भी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का उपयोग किया जा रहा है। ऐसे में जरा सी भी असावधानी करदाता पर खासी भारी पड़ सकती है। किसी भी करदाता के एआइएस में उसके वेतन की आय, लाभांश आय, ब्याज की आय, पूंजीगत लाभ, किराए से होने वाली आय, टीडीएस, बैंक खातों के बड़े जमा, म्युचुअल फंड के निवेश, कर भुगतान जैसे तमाम लेन-देन परिलक्षित हो रहे हैं।

इंदौर सीए ब्रांच के पूर्व अध्यक्ष सीए आनंद जैन कहते हैं इसके आधार पर एआइएस ही करदाता को एक सीधे रिटर्न दाखिल करने का विकल्प देता है। ऑनलाइन रिटर्न दाखिल करने की इस प्रक्रिया में एआइएस के आधार पर एक ट्रांजेक्शन इंफार्मेशन स्टेटमेंट (टीआइएस) जनरेट होता है। इसी के आधार पर सेल्फ फाइल रिटर्न फार्म तैयार हो जाता है। यदि कोई करदाता खुद रिटर्न दाखिल कर रहा है और टीआइएस में दिखाई आय पर उसे आपत्ति है तो इस पर आब्जेक्शन दर्शाना भी होगा। इसके लिए पोर्टल पर ऊपर क्लिप कर आपत्ति यानी आब्जेक्शन की कैटेगरी सिलेक्ट करनी होगी।

साथ ही करदाता को ध्यान रखना होगा कि इस साल के रिटर्न में नई टैक्स रिजिम डिफॉल्ट सिलेक्ट हो रही है। लिहाजा ऐसे करदाता जो निवेश, लोन, बच्चों की फीस और बीमा आदि में पैसा लगाते हुए अपने निवेश पर डिडक्शन का लाभ लेना चाहते हैं उन्हें पुरानी रिजिम चुननी होगी। इसके लिए वे फार्म 10आइबी भरें और पुरानी रिजिम में टैक्स गणना कर दाखिल करें।

सीए जैन के अनुसार बीते वर्षों में कई लोगों की आदत रही है कि वे अव्यावहारिक और बोगस रिफंड हासिल करते रहे हैं। अब ये भूल ना करें। दरअसल आयकर विभाग इस मामले पर काफी सख्त है। ऐसे निवेश व खर्च जिसकी रसीदें और पुख्ता दस्तावेज आपके पास हैं उसी का रिफंड क्लेम करें। दरअसल आयकर विभाग अब जांच में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस साफ्टवेयर का उपयोग कर रहा है। ऐसे में बोगस रिफंड तुरंत पकड़ में आते हैं। साथ ही ऐसा करने वाले करदाता पर मोटी पेनाल्टी और ब्याज रोपित हो सकता है।

नई सरकार के सामने जीएसटी-महंगाई सहित होंगी ये कई चुनौतियां, इन नीतिगत मुद्दों का करना पड़ेगा सामना

नई दिल्ली। एजेंसी

लोकसभा चुनाव संपन्न होने के साथ अब नई सरकार का गठन होने जा रहा है। नई सरकार के सामने कई प्रमुख नीतिगत मुद्दें होंगे। इन नीतिगत मुद्दों में जीएसटी में सुधार, महंगाई, सार्वजनिक वित्त, खाद्य कीमतें और निवेश को बढ़ावा देना आदि कई शामिल हैं। सरकार को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। नई सरकार को पहले भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और वैश्विक आर्थिक स्थिति के कारण सुधारों में तेज़ी लाने की जरूरत हो सकती है। लेकिन केंद्र में गठबंधन सरकार होने की वजह से यह आसान नहीं हो सकता है। निजीकरण और जीएसटी पर पुनर्विचार जैसे कुछ मुद्दों पर आम सहमति की जरूरत होती है। आईए आपको बताते हैं ऐसे कौन से मुद्दे हैं, जिसपर नई सरकार को ध्यान देने की जरूरत होगी।

जीएसटी में सुधार

पांच स्लैब वाले जीएसटी रेट स्ट्रक्चर का तुरंत रीव्यू नहीं किया जा सकता है। इसके लिए 12% और 18% स्लैब को मर्ज करने की जरूरत हो सकती है, जिससे हाई ब्रैकेट में आने वाली वस्तुओं और सेवाओं पर शुल्क में बढ़ोतरी की जरूरत होगी। यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर राजनीतिक सहमति बनाना आसान नहीं हो सकता है।

टाला जा सकता है निजीकरण

निजीकरण को कुछ समय के लिए टाला जा सकता है। आरबीआई के 2.1 लाख करोड़ रुपये के मेगा लाभांश और मजबूत जीएसटी राजस्व से केंद्र की वित्तीय स्थिति अच्छी रहेगी, लेकिन केंद्र को सब्सिडी व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए धीमी गति से काम करना पड़ सकता है। हालांकि लीकेज को रोकने के लिए

टेक्नोलॉजी का ज्यादा इस्तेमाल ऐसा है जो नहीं बदलेगा।

निवेश को बढ़ावा

साल 2021-22 में 85 बिलियन डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद, लगातार दो वर्षों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का वार्षिक फ्लो गिर रहा है। यह 2023-24 में 71 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया है। सरकार से इलेक्ट्रिक वाहनों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित कई क्षेत्रों में निवेश व्यवस्था को और ज्यादा आकर्षक बनाने की उम्मीद है।

महंगाई बढ़ रही

हालांकि कुल मिलाकर महंगाई में कमी आई है। लेकिन अभी भी खाद्य कीमतें अस्थिर और उच्च बनी हुई हैं। सरकार कीमतों को मौसम से बचाने और गर्मी और बाढ़ जैसे जलवायु-प्रेरित झटकों से बचाने के लिए कदम उठा सकती है। वहीं नवीनतम जीडीपी डेटा कृषि क्षेत्र में सापेक्षिक ठहराव को दर्शाता है। सिंचाई और उत्पादकता बढ़ाने के लिए AI के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करने वाले सुधारों की उम्मीद है। चुनाव परिणाम किसानों की आय बढ़ाने की चुनौतीपूर्ण लेकिन आसन्न आवश्यकता की ओर इशारा करते हैं।

निर्यात और पीएलआई

उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना ने स्मार्टफोन और अन्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने में मदद की है, लेकिन इसे खिलौने और जूते जैसे अन्य क्षेत्रों में विस्तारित करने की मांग की गई है। निर्यात उत्पादन के लिए चीन से बाहर निकलने के इच्छुक कंपनियों और क्षेत्रों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए पीएलआई को और बेहतर बनाने की उम्मीद है। वहीं चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले, कई नए आर्थिक कानून बनाने की प्रक्रिया चल रही थी। क्रिप्टोकरेंसी, एआई, डेटा सुरक्षा के बेहतर विनियमन पर विचार किया जा रहा है।

तेजी को बनाए रखना

अधिकांश अर्थशास्त्रियों को उम्मीद नहीं है कि 2024-25 की जीडीपी वृद्धि 2023-24 में 8.2% की वृद्धि को दोहराएगी। लेकिन मौजूदा वैश्विक आर्थिक माहौल में 7% की वृद्धि दर सुनिश्चित करना भी आसान नहीं होगा। अपेक्षित कदमों में ऊर्जा संक्रमण के लिए एक रोड मैप और इंफ्रा निवेश को बढ़ावा देना शामिल है। आर्थिक मंत्रालयों ने 2030 और 2047 के लिए विशिष्ट लक्ष्यों के साथ कार्य योजनाएं बनाई हैं। अगर नई सरकार में आम सहमति बनती है, तो मंत्रालय-वार कार्य योजना का अनावरण किया जा सकता है।

कोटक म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया कोटक स्पेशल अपॉर्चुनिटीज फंड

यह एनएफओ सब्सक्रिप्शन के लिए 10 जून 2024 को खुल रहा है, वहीं 24 जून 2024 को बंद हो जाएगा

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ('KMAMC' / 'कोटक म्यूचुअल फंड) ने 10 जून 2024 को कोटक स्पेशल अपॉर्चुनिटीज फंड के लॉन्च की घोषणा की है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है, जो विशेष स्थितियों की थीम पर आधारित

है। यह स्कीम सब्सक्रिप्शन के लिए 10 जून, 2024 को खुल रही है और 24 जून, 2024 को बंद हो जाएगी।

यह फंड निवेशकों को विशेष परिस्थितियों की थीम पर निवेश करने का अवसर प्रदान करेगा। किसी अर्थव्यवस्था, इंडस्ट्री या कंपनी की यात्रा के दौरान कई चुनौतियां आती हैं। ये चुनौतियां अनिश्चितताओं को जन्म देती हैं और साथ ही कई अवसरों को भी जन्म देती हैं। कोटक स्पेशल अपॉर्चुनिटीज फंड का लक्ष्य इन अवसरों का लाभ उठाना है।

कोटक स्पेशल अपॉर्चुनिटीज फंड के साथ, केएमएएमसी का लक्ष्य अलग अलग विशेष स्थितियों जैसे कंपनी स्पेसिफिक घटनाओं, कॉरपोरेट रिस्ट्रक्चरिंग, सरकारी नीति में परिवर्तन, रेगुलेटरी बदलाव, टेक्नोलॉजी के कारण व्यवधान या अस्थायी लेकिन अनूठी चुनौतियों से गुजरने के दौरान फायदा लेने वाली कंपनियों की इक्विटी और इक्विटी से संबंधित प्रतिभूतियों में निवेश के माध्यम से लंबी अवधि में पूंजी में बढ़ोतरी करना है। फंड मार्केट कैपिटलाइजेशन में ऐसे अवसरों की तलाश करेगा। चूंकि ऐसे अवसर अलग अलग सेक्टर में पैदा हो सकते हैं, इसलिए पोर्टफोलियो में विविधता यानी डाइवर्सिफिकेशन आने की संभावना है।केएमएएमसी के मैनेजिंग डायरेक्टर, नीलेश शाह ने कहा कि एक बढ़ते बाजार के रूप में भारत लगातार बदल रहा है और गतिशील है, जिससे कई विशेष अवसर पैदा हो रहे हैं। उदाहरण के लिए, पीएलआई के लॉन्च और चीन+1 की तलाश कर रही दुनिया ने भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए एक अवसर पैदा किया। एक इसी तरह का अवसर उस कंपनी में भी उत्पन्न हो सकता है, जो भविष्य में ग्रोथ की संभावना को बेहतर बनाने के उद्देश्य से प्रबंधन में बदलाव देखती है। विशेष स्थितियों द्वारा निकले ये अवसर किसी भी आकार की कंपनियों में हो सकते हैं, चाहे वे लार्ज कैप, मिड कैप या स्मॉल कैप हों। हमारा फंड किसी मार्केट कैप या सेक्टर तक सीमित नहीं है। यही फ्लेक्सिबिलिटी हमें अवसर तलाशने और उनमें निवेश करने की अनुमति देता है, चाहे वे कहीं भी हों। इस फंड का प्रबंधन देवेंदर सिंघल - फंड मैनेजर द्वारा किया जाएगा, जिनके पास भारतीय इक्विटी बाजार में इंडस्ट्री का 22 साल से अधिक का अनुभव है। वह 15 साल से अधिक समय से कोटक एएमसी के साथ काम कर रहे हैं और अतीत में कंज्यूमर, ऑटो और मीडिया एनालिस्ट रहे हैं।

श्रावण मास की खरीदी निकलने से फलाहारी वस्तुओं में तेजी

सेलम/ इंदौर। एजेंसी

श्रावण मास की तैयारी के चलते बाजार में फलाहारी उत्पादों – साबूदाने, श्रीधान्य, फलाहारी आटे और साबूदाना पापड़ आदि की व्यावसायिक पूछ परख शुरू हो गई है। आने वाले दिनों में बाजार में मांग और बढ़ने से भावों में भी तेजी की संभावनाएं हैं।

साबूदाने के उत्पादन और मार्केटिंग में40 से भी अधिक वर्षों से जुड़ी एफएमसीजी कंपनी साबु ट्रेड, सेलम के निदेशक श्री विकास साबु ने बताया कि कसावा जमीकंद की ताजा नइ फसल आने में करीब दो-तीन माह की देरी है और श्रावण मास की मांग के चलते साबूदाने में तेजी रहने के अनुमान हैं। श्री साबु ने दाम बढ़ने की संभावना पर आगे कहा कि भारत में साबूदाना की बढ़ती मांग के कारण बाजार के आकार में वृद्धि हो रही है। साबूदाने की खिचड़ी जैसे पारंपरिक खाद्य पदार्थों की लोकप्रियता बाजार को बड़ा करती ही है, साथ ही, प्रयोगधर्मी महिलाएं जो साबूदाने से तरह - तरह के नाश्ते और व्यंजन बनाती हैं, वह मांग भी इसमें बड़ा योगदान देती है। साबूदाने का पकने में आसान होना, मसालों के मिलने पर स्वादिष्ट खाद्य उत्पाद बन जाने का गुण इसकी लोकप्रियता बढ़ा देता है, जो बड़े बाजार के लिए अवसर है। फलाहार के साथ ही, सेहत को लेकर जो परिवार जागरूक हैं, वे भी अब फलाहारी मिलेट्स जैसे मोरधन, कोदो, रागी, फॉक्सटेल और बार्नयार्ड मिलेट्स को अपने रोजाना के तीन मुख्य खाने ब्रेकफ़ास्ट, लंच या डिनर में से कम से कम एक में शामिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

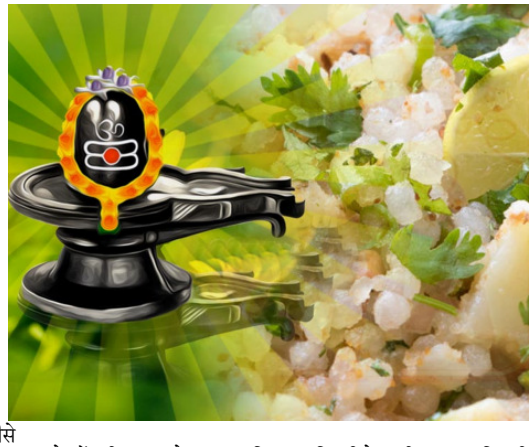

सच्चासाबु फलाहारी आटा के उपभोक्ताओं ने सच्चा साबु फलाहारी आटे को बहुत अच्छा प्रतिसाद दिया है। आने वाले दिनों में सच्चासाबु फरियाली आटा, सच्चामोती , सच्चासाबु एगमार्क साबूदाना, साबुदाना पापड़, अल्पाहार नारियल बूरा व मखाना, तथा कुकरीजॉकी भगर (मोरधन) , राजगीरा, कोदरा

बारे में श्री साबु ने बताया कि हमारी रिसर्च टीम ने मिलेट और कसावा जमीकंद के मिश्रण से जो फलाहारी आटा तैयार किया था, वह अब बाजार में उपलब्ध है। यह फलाहारी आटा, व्रत उपवास में सेवन करने योग्य व ग्लुटेन मुक्त होने के साथ पोषक, स्वादिष्ट और स्वास्थ्यप्रद भी है। इस फलाहारी आटे की रोटियाँ, सामान्य तापमान वाले जल के उपयोग से भी बहुत नर्म और स्वादिष्ट बनती है। मध्य प्रदेश के साथ पूरे भारत में आदि मीलेट श्रीधान्य आदि की बिक्री व खपत अत्यधिक बढ़ने की संभावना से कम्पनी ने अपने फरियाली उत्पादों की बाजार में निरंतर उपलब्धता की व्यवस्था की है, जिससे ग्राहकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मखाना और भगर में मांग अधिक होने से पहले ही भाव तेजी पर हैं। श्रावण की मांग देखते हुए सच्चासाबु फरियाली आटा, साबुदाना व साबुदाना पापड़ में भी भाव तेज रहने की संभावना है ।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर करें ये कारगर उपाय, घर आएगी सुख-समृद्धि

ज्येष्ठ माह में आने वाली पूर्णिमा का विशेष महत्व माना जाता है। धार्मिक दृष्टिकोण से यह दिन बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। इस दिन स्नान के दिन गंगा स्नान करने से सारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन, गंगा या फिर किसी पवित्र नदी में स्नान करें। इसके बाद किसी ब्राह्मण को चंद्रमा से जुड़ी चीजें जैसे सफेद वस्त्र, शक्कर, चावल, दही या फिर चांदी का दान करना चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है और जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ
इंदौर (म.प्र.)

ज्येष्ठ पूर्णिमा शुभ मुहूर्त

ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा तिथि का शुभारंभ 21 जून 2024 को प्रातः 06 बजकर 01 मिनट पर हो रहा है। वहीं, इस तिथि का समापन 22 जून 2024 को प्रातः 05 बजकर 07 मिनट पर होगा। ऐसे में ज्येष्ठ पूर्णिमा का व्रत 21 जून, शुक्रवार को किया जाएगा और स्नान-दान 22 जून, शनिवार के दिन किया जाएगा।

ज्येष्ठ पूर्णिमा के उपाय

ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन चंद्रमा निकलने के बाद एक बर्तन में दूध भरकर उसमें चीनी और कच्चे चावल मिलाकर चंद्रमा को अर्घ्य देना चाहिए और इस दौरान चंद्रमा मंत्र का जाप करना चाहिए। माना जाता है कि इससे आर्थिक परेशानियां दूर होंगी और आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कैसे पाएं देवी लक्ष्मी की कृपा से लाभ

पूर्णिमा के दिन 11 कौड़ियों को लाल कपड़े में लपेटकर मंदिर में देवी लक्ष्मी के चरणों में रखा जाता है। इसके बाद मां लक्ष्मी की पूजा करें और चौकी पर हल्दी या केसर से तिलक करें। थोड़ी देर बाद ढक्कन हटाकर अपने कपड़ों के साथ तिजोरी में रख देना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इससे देवी लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है और घर में धन की कमी नहीं होती है। उसी कौड़ी को दोबारा निकालकर उसकी पूजा करें और वापस तिजोरी में रख दें।

इच्छा पूरी करने के लिए

यदि आपके मन में ऐसा है तो आपको ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन चंद्र देव की पूजा करनी चाहिए और दूध में शहद और चंदन मिलाकर चंद्रमा को अर्घ्य देना चाहिए। माना जाता है कि इससे आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाएंगी।

पीपल पर जल दें

ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन सुबह जल्दी उठकर पीपल के पेड़ को मिठाई और जल चढ़ाना चाहिए। इससे आपके जीवन की परेशानियां दूर होंगी और मां लक्ष्मी की कृपा भी होगी।

ग्रहों के परिवर्तन से कई योगों का निर्माण

4 जून को कन्या राशि वालों के लिए खास, खुलेगी किस्मत

पं. श्री रमेशचंद व्यास
(चैनपुरा वाले)
ज्योतिषयाचार्य एवं रत्न विशेषज्ञ
मो. 9826345104

ग्रहों के परिवर्तन से कई योगों का निर्माण होता है। इस बार 14 जून को कन्या राशि में चंद्रमा आने वाले हैं ऐसे में उन पर गुरु की शुभ दृष्टि पड़ रही है, जिससे गजकेसरी योग का निर्माण हो रहा है। यह योग बहुत ही खास माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि चंद्रमा और गुरु की विभिन्न स्थितियों के कारण गजकेसरी योग बनता है। 14 तारीख को गजकेसरी राजयोग का निर्माण होने जा रहा है। आपको बता दें कि देवताओं के गुरु बृहस्पति अभी शुक्रदेव की राशि वृषभ में मौजूद हैं। ऐसे में गुरु की शुभ दृष्टि पड़ने से चंद्रमा कन्या राशि में गजकेसरी योग बनाएगा।

क्यों खास है गजकेसरी योग

गजकेसरी योग बहुत खास माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस योग से व्यक्ति को धन वैभव तो मिलता ही मिलता है साथ ही समाज में भी उसका मान सम्मान बढ़ता है, उसके ज्ञान में वृद्धि होती है और वह अच्छा जीवन गुजारता है।

इस गजकेसरी योग से किस राशि को लाभ होगा?

मिथुन राशि गजकेसरी योग से मिथुन राशि को लाभ होगा और इनकी किस्मत बदलेगी। इनके काम जो बन नहीं रहे थे, अब उन कामों में भाग्य का साथ मिलेगा। अगर सरकारी नौकरी के लिए एग्जाम देना चाहते हैं तो आप सफल होंगे। समाज में ऊंचा पद भी मिल सकता है।

धनु राशि वालों के लिए भी गजकेसरी योग उन्नति और तरक्की देने वाला रहेगा। आपकी लाइफ में सकारात्मक बदलाव आने शुरू होंगे। आप आगे बढ़ेंगे और प्रमोशन मिलने के भी संकेत हैं।

कन्या राशि में चंद्रमा की स्थिति के कारण गजकेसरी योग बन रहा है, ऐसे में इस राशि वालों का तनाव कम होगा और अब ये हंसी खुशी रहेंगे, धन लाभ भी मिलने के संकेत हैं।

कर्क राशि वालों के लिए यह योग कई खुशियां लाया है, चाहे वो संतान की तरफ से हो या फिर जीवनसाथी की तरफ से।

पूर्णिमा पर जरूर करें गुलाब से जुड़े यह उपाय, इन दिक्कतों से मिलेगी मुक्ति

पंडित कपिल पाराशर
बनारस वाले ज्योतिष आचार्य वास्तु विशेषज्ञ
6261493070

वैसे तो गुलाब का पूजा करने में उपयोग किया जाता है, लेकिन इससे जुड़े कुछ उपाय किए जाए तो कई समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है। साथ ही बिगड़े काम भी बन जाते हैं। आपको यहां गुलाब से जुड़े कुछ उपाय बताते हैं।

काम बिगड़ने पर

अगर तमाम प्रयास के बावजूद आपके बनते काम बिगड़ रहे हैं, तो आप पूर्णिमा के दिन तीन गुलाब और तीन बेला को जल में प्रवाहित करें। इससे आपके कार्यों में कोई अड़चन नहीं आएगी।

कर्ज से मुक्ति के लिए

यदि आप पर कर्ज है और यह लगातार बढ़ता जा रहा है तो सफेद कपड़े के चारों ओर गुलाब के फूल बांधकर इसे बहते जल में विसर्जित कर दें। ऐसा लगातार पांच शुक्रवार तक करने से कर्ज से मुक्ति मिलती है।

धन रोकने के लिए

यदि आपसे खर्च अधिक होता है और पैसों की बचत नहीं हो रही है तो आप लाल चंदन, लाल गुलाब और रोली को एक लाल कपड़े में बांधकर इसे मंदिर में रखें और भगवान गणेश का पूजन करें। बाद में इस कपड़े को तिजोरी में रख दें। यह उपाय मंगलवार को करना चाहिए।

ग्रह दोष दूर करने के लिए

अगर आपकी कुंडली में कोई ग्रह दोष हैं, तो इससे मुक्ति पाने के लिए आप एक पान में गुलाब की पांच पंखुड़ियां लेकर मां भगवती को चढ़ाएं।

घर पर विराजतें हैं लड्डू गोपाल, तो अकेला छोड़ने से पहले इन नियमों का रखें ध्यान

डॉ. संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

सनातन धर्म को मानने वाले ज्यादातर लोग घरों में लड्डू गोपाल की पूजा करते हैं। उनकी पूजा करते समय शुद्धता का ध्यान रखा जाता है। लोग बड़े ही प्यार से उनकी सेवा करते हैं। शास्त्रों में उनकी पूजा से जुड़े कुछ नियमों का जिक्र किया गया है, जिसमें से एक यह है कि लड्डू गोपाल को घर पर कभी भी अकेला नहीं छोड़ा जाता है। लड्डू गोपाल को अपने साथ बाहर ले जाने में शुद्धता का बहुत ही ध्यान रखा जाता है। ऐसे में लोग उनको घर पर ही रखकर चले जाते हैं। ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने विस्तार से बताया है कि घर पर लड्डू गोपाल को छोड़ने से पहले क्या करना चाहिए।

लड्डू गोपाल को घर पर छोड़ने से करें ये काम

शास्त्रों में यह साफ बताया गया है कि लड्डू गोपाल बाल स्वरूप में हैं। ऐसे में किसी भी बालक को घर पर अकेले नहीं छोड़ा जाता है। अब अगर ऐसा करना ही पड़ रहा है, तो सबसे पहले लड्डू गोपाल को सुला देना चाहिए।

उसके बाद लड्डू गोपाल के सामने भोग के रूप में पकवान रख दें। उनका ध्यान करते हुए उसमें तुलसी का पत्ता जरूर रख दें। उसके बाद आपके द्वारा लगाया भोग वह स्वीकार कर लेंगे।

शास्त्रों में इस बात का जिक्र किया गया है कि आप बाहर जाते समय लड्डू गोपाल के सामने खाने जरूर रखें। उसमें तुलसी का पत्ता डालने से पहले एक बात का ध्यान रखें कि आप जितने दिन के लिए घर से बाहर जा रहे हैं, उतने तुलसी के पत्ते खाने में डाल दें।

घर में लगाएं ये खास फूल, दूर होंगे सारे कष्ट, मिलेगा धन, वैभव और सफलता

पं. राजेश वैष्णव
शनि उपासक ज्योतिष रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
98272 88490

हर पूजा-पाठ में फूलों का खास महत्व होता हैं. देवी-देवताओं की आराधना में उन्हें फूल अर्पित करने से वो प्रसन्न होते हैं. कई फूल-पौधे देवताओं को विशेष रूप से प्रिय होते हैं. इनमें से एक है अपराजिता फूल जिसे विष्णुकांता फूल भी कहा जाता है. इस फूल का इस्तेमाल कई ज्योतिष उपायों में भी किया जाता है. यह फूल भगवान विष्णु के साथ-साथ शनि देव को भी बहुत प्रिय है. अपराजिता के फूल से जुड़े इन आसान उपायों को करने से घर में सुख-शांति आती है. अपराजिता के फूल से जुड़े खास उपाय करने से आर्थिक तंगी से दूर हो जाती है. जानते हैं इन उपायों के बारे में.

शनि देव का प्रिय फूल है अपराजिता

शनि देव को नीले अपराजिता के फूल बहुत प्रिय हैं. शनिवार के दिन शनि देव को इस फूल की माला चढ़ाएं. इससे शनि देव प्रसन्न होकर सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं. शनि देव की कृपा से काम में आने वाली सारी बाधाएं दूर हो जाती हैं.

तरक्की के लिए सोमवार के दिन शिवलिंग पर नीले या उजले अपराजिता के फूल चढ़ाएं. आप पर शिव की कृपा होगी. अपराजिता के 7 फूलों को गंगाजल से धोकर पीले कपड़े में बांध लें. इसे अपनी तिजोरी या दुकान के गल्ले में रखें. इससे व्यापार में वृद्धि होती है.

आर्थिक तंगी के उपाय

अगर आप हमेशा आर्थिक समस्या से परेशान रहते हैं, आपके हाथ में पैसा नहीं रुकता है तो इस फूल से जुड़ा ये खास उपास आपके काम आ सकता है. सोमवार के दिन बहती नदी में 5 अपराजिता के फूल को एक साथ प्रवाहित करें. इससे आपको आर्थिक तंगी से जल्द मुक्ति मिलेगी.

हनुमान जी के चरणों में अपराजिता के फूल अर्पित करने से धन की कभी कमी नहीं होती है. अगर लंबे समय से आपकी कोई मनोकामना पूरी नहीं हो रही है तो अपराजिता फूल से जुड़ा ये उपाय जरूर आजमाएं. अपराजिता के फूलों की बनी माला मां दुर्गा, भगवान शिव और भगवान विष्णु को अर्पित करें. इससे आपकी मनोकामना जल्दी पूरी होगी. अपराजिता के कुछ फूल घर के ईशान कोण में रखने से नकारात्मक ऊर्जा नहीं आती है.

कोका-कोला इंडिया ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

#BenchPeBaat के साथ सच्चे संबंधों की भावना को फिर से जगाया

नई दिल्ली। एजेंसी

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कोका-कोला इंडिया ने #BenchPeBaat को लॉन्च किया। इस कैंपेन का उद्देश्य लोगों के बीच सच्चे संबंधों और बातचीत की भावना को फिर से जगाना है। यह कैंपेन चक्रीय अर्थव्यवस्था और पूरे भारत में समुदायों में सार्थक बातचीत को बढ़ावा देने के माध्यम से वर्ल्ड विदाउट वेस्ट(कचरामुक्त विश्व) बनाने के प्रति कोका-कोला इंडिया की प्रतिबद्धता का जश्न मनाता है। अपने फाउंडेशन, आनंदना के माध्यम से कोका-कोला ने यूनाइटेड वे मुंबई के सहयोग से भारत के 10 शहरों में 380 स्थायी बेंचों कोलगाया है। इन पुनर्कल्पित बेंचों को रिसाइकल्ड प्लास्टिक कचरे से बनाया गया है, जिसे आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 के दौरान इकट्ठा किया गया था।इसका उद्देश्य एक समय पर एक बातचीत के साथ एकदम नया ताजगी पूर्ण लाना है।

हर एक बेंच को लगभग 50 किलोग्राम रीसाइकल्ड प्लास्टिक कचरे से बनाया गया है। इन इको-फ्रेंडली बेंचों को भारत के 10 शहरों में स्कूलों, कॉलेजों, सार्वजनिक पार्कों, और नगर निगम के कार्यालयों में स्थापित किया गया है। ये शहर दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद, पुणे, धर्मशाला और लखनऊ हैं।

इस कैंपेन के विषय में कोका-कोला इंडिया और साउथ वेस्ट एशिया (आईएनएसडब्लूए) के सीनियर डायरेक्टर-सीएसआर और सस्टेनेबिलिटी, राजेश अयापिल्ला ने कहा कि, 'कोका-कोला इंडिया में हमलोग वर्ल्ड विदाउट वेस्ट नामक अपनी वैश्विक रणनीति को लेकर प्रतिबद्ध बने हुए हैं। यह रणनीति पैकेजिंग की चक्रीय अर्थव्यवस्था के माध्यम से एक व्यवस्थित बदलाव को प्रेरित करती है। हमारा #BenchPeBaat कैंपेन पर्यावरण की रक्षा को लेकर हमारे सपर्पण का प्रमाण है, क्योंकि हम कचरे को उद्देश्यपूर्ण सामुदायिक संपदाओं में परिवर्तित करते हैं। ये स्थायी बेंच पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के हमारे प्रयासों को दर्शाती हैं।'

इस कैंपेन फिल्म की संकल्पना हवस पीपल इंडिया - हवस इंडिया की टैलेंट कम्युनिकेशन और एम्प्लायर ब्रांडिंग एजेंसी ने की है। इसमें अभिनव एआई-जनरेटेड विजुअल्स का मिश्रण दिखाया गया है जोकि अपने सन्देश के सार को खूबसूरती से कैद करता है। फिल्म को इस प्रकार सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है कि दर्शक स?थायी बेंचों की कहानी में वार्तालाप शुरू करने वालों के रूप में खो जाते हैं। इसमें दिल को छू जाने वाली एवं रंगबिरंगी इमेजरी का प्रयोग किया गया है जो दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ जाते हैं।

सैमसंग इंडिया ने एआई फीचर्स के साथ ओडिसी ओएलईडी, व्यूफिनिटी और स्मार्ट मॉनिटर्स के 2024 मॉडल्स लॉन्च किए

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज अपने 2024 लाइनअप में ओडिसी ओएलईडी गेमिंग मॉनिटर, स्मार्ट मॉनिटर और व्यू फिनिटी मॉनिटर लॉन्च किए हैं। इन प्रॉडक्ट्स में उपभोक्ताओं को एक नया अनुभव देने के लिए कई फीचर्स हैं, जिनमें नई एआई क्षमताएं शामिल हैं। ओडिसी ओएलईडी U6 और स्मार्ट मॉनिटर लाइनअप बेहतर एंटरटेनमेंट फीचर्स के साथ ग्राहकों को खुश करते हैं, जबकि एआई पावर्ड स्मार्ट मॉनिटर M8 और व्यूफिनिटी लाइनअप वर्कस्टेशन के लिए बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं। सैमसंग इंडिया के कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एंटरप्राइज बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट श्री पुनीत सेठी ने कहा, ष्ओडिसी ओएलईडी गेमिंग मॉनिटर, व्यूफिनिटी और स्मार्ट मॉनिटर्स के हमारे 2024 लाइनअप के जरिए, हम उपभोक्ताओं के अनुभव को नई ऊंचाई पर ले जाना चाहते हैं। एआई तकनीक और मल्टी-डिवाइस अनुभव से संचालित, ओडिसी ओएलईडी गेमिंग मॉनिटर और स्मार्ट मॉनिटर विजुअल एक्सिलेंस और क्रिएटिविटी को नए सिरे से परिभाषित करेंगे। ओएलईडी सेफगार्ड तकनीक से लैस, यह दुनिया की पहली बर्न-इन प्रोटेक्शन तकनीक है, जो ओएलईडी गेमिंग मॉनिटर को इमेज बर्निंग से बचाती है।

///

कैस्ट्रॉल ने भारत में एज (EDGE) उत्पादों की नई रेंज लॉन्च की

मुंबई। एजेंसी

कैस्ट्रॉल इंडिया लिमिटेड ने आज कैस्ट्रॉल एज (ऐंर्ड) लाइन के तहत उत्पादों की एक नई रेंज लॉन्च की है। ऑन-डिमांड परफॉर्मेंस के लिए डिज़ाइन किए गए इस प्रीमियम और एडवांस इंजन ऑयल में अब पैसेंजर कार सेगमेंट के लिए तीन नए वैरिएंट मिलेंगे। ये नए वैरिएंट ऑटोमोटिव उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करेंगे।

इस लॉन्च का प्रचार एक प्रभावशाली टेलीविजन कमर्शियल (TVC) कैंपेन द्वारा किया जा रहा है, जिसका शीर्षक 'स्टे अहेड' है, जिसमें बॉलीवुड सुपरस्टार और ब्रांड एंबेसडर शाहरुख खान शामिल हैं। इस टीवी विज्ञापन का भव्य प्रीमियर 9 जून 2024 को बहुप्रतीक्षित भारत बनाम पाकिस्तान T20 मैच के दौरान हुआ, जिसमें शाहरुख खान को एक नए और रोमांचक अवतार में दिखाया गया है। इसमें कैस्ट्रॉल एज का बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया गया है। यह विज्ञापन बहुत चतुराई से आज की पैपराजी संस्कृति पर आधारित है। इसमें मशहूर हस्तियों को शटरबग्स से 'आगे रहने' के लिए नए-नए तरीके खोजते हुए दिखाया गया है। इस टीवी विज्ञापन का मुख्य संदेश यह है कि कैस्ट्रॉल एज में जरूरत के मुताबिक इंजन के प्रदर्शन (परफॉर्मेंस) को बढ़ाने की क्षमता है, जिससे ड्राइवर किसी भी स्थिति और इलाके में इसके बेहतरीन प्रदर्शन पर भरोसा कर सकते हैं।

इस टीवी विज्ञापन की शुरुआत शाहरुख खान से होती है, जो अपनी खड़ी कार के पास कैस्ट्रॉल एज का पैकेट हाथ में लेकर मजेदार डांस मूव्स दिखा रहे हैं। जल्दी ही, बाइक पर सवार पैपराजी, जो उनका पीछा करते-करते थक चुके हैं, शाहरुख को देखकर आश्चर्यचकित होते हुए उनके पास आते हैं। फिर फ्रेम फ्लैशबैक में चला जाता है, जहां पैपराजी तेजी से शाहरुख की कार के करीब जाने की कोशिश करते हैं ताकि उनकी तस्वीरें ले सकें। लेकिन हर बार शाहरुख तेजी से दूर चले जाते हैं, जिससे पैपराजी को उनकी केवल धुंधली तस्वीरें ही मिल पाती हैं।

बिरला ओपस की इंटरैक्टिव एक्स्पो इंदौर पहुँची!

व्यापारियों को बिरला ओपस के उत्पादों की अद्वितीय विशेषताओं का अनुभव लेने का एक्सक्लूसिव अवसर मिलेगा

इंदौर। एजेंसी

आदित्य बिरला समूह ने फरवरी 2024 में 'बिरला ओपस' के लॉन्च के साथ भारतीय पेंट उद्योग में प्रवेश किया था। 80,000 करोड़ रुपये के विशाल भारतीय डेकोरेटिव पेंट उद्योग पर ध्यान केंद्रित करते हुए, इस समूह ने 10,000 करोड़ रुपये का शुरुआती निवेश किया है। कंपनी 2025 तक पूरे देश में छह मैन्युफैक्चरिंग सुविधाएं स्थापित करके अपने पेंट व्यवसाय का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है। बिरला ओपस का लक्ष्य 145 से अधिक उत्पादों और 1200 से अधिक एसकेयू के तहत वॉटर-बेस्ड पेंट, एनामेल, वुड फिनिश, और वॉलपेपर और 2300 से अधिक टिनटेबल रंग विकल्प प्रदान करते हुए भारत का अग्रणी पेंट ब्रांड बनना है। 21 स्थानों पर आयोजित अपनी पिछली एक्सपो और डीलर मीट की सफलता के बाद, बिरला ओपस की टीम देश में अपने व्यापारिक संपर्कों को मजबूत करने के लिए 175 से अधिक स्थानों पर अपना विस्तार कर रही है। व्यापारिक समुदाय, विशेष रूप से डीलरों, चित्रकारों, ठेकेदारों, आर्किटेक्टों और इंटीरियर डिजाइनरों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने के लिए, कंपनी ने इन एक्सपो को बिरला ओपस के उत्पादों और उनकी यूएसपी का प्रदर्शन करने के लिए डिज़ाइन किया है, ताकि व्यापार भागीदारों को इन उत्पादों की बेहतर गुणवत्ता और रेंज का अनुभव करने का एक मंच मिल सके। यदि आप व्यापारिक समुदाय का हिस्सा हैं और इस बारे में अधिक जानने के इच्छुक हैं, तो 13 जून, 2024 (गुरुवार) को गुरु नानक निवास, लोकमान्य नगर, इंदौर में पधारें और बिरला ओपस के उत्पादों की संपूर्ण श्रृंखला का अनुभव प्राप्त करें।

///

अब मिसाइल और ड्रोन भी बनाएंगे गौतम अडानी! इस दिग्गज विदेशी कंपनी के साथ मिलाया हाथ

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस गौतम अडानी (Gautam Adani) अब मिसाइल और ड्रोन के साथ-साथ सेना के लिए दूसरे तरह के हथियार भी बनाएंगी। अडानी ग्रुप (Adani Group) की कंपनी अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस (Adani Defence and Aerospace) ने यूएई की कंपनी EDGE Group के साथ हाथ मिलाया है। दोनों कंपनियां मिसाइल और ड्रोन के साथ-साथ दूसरे तरह के आधुनिक हथियार बनाएंगी। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक और साइबर युद्ध में काम आने वाली टेक्नोलॉजी के विकास में भी एकदूसरे को सहयोग करेंगी। एग्रीमेंट के मुताबिक भारत और यूएई में रिसर्च एंड डेवलपमेंट फैसिलिटीज स्थापित करने और एक्सपोर्ट की संभावनाओं का पता लगाया जाएगा। साल 2019 में स्थापित EDGE ग्रुप दुनिया का जाना-माना एडवांस्ड टेक्नोलॉजी ग्रुप है। दोनों कंपनियों ने एक बयान में इस समझौते के बारे में जानकारी दी।अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के सीईओ आशीष राजवंशी ने कहा कि हमारे बीच यह सहयोग रक्षा क्षमताओं के विस्तार में एक नए युग की शुरुआत है। यह एडवांस टेक्नोलॉजिकल के विकास और भारत-यूएई के बीच द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है। हम ग्लोबल डिफेंस लैंडस्केप में नए मानक स्थापित करना चाहते हैं। Edge Group के सीईओ हमद अल मरार ने कहा कि अडानी डिफेंस के साथ हमारा करार एक मील का पत्थर है। इससे भारत की डिफेंस इंडस्ट्री के साथ हमारा सहयोग मजबूत होगा। यह दोनों देशों के सैन्य संबंधों को मजूबत बनाने की हमारी परस्पर प्रतिबद्धता को दिखाता है। हम अपने कस्टमर्स को सबसे आधुनिक प्रॉडक्ट्स देना चाहते हैं। साथ ही हम एक्सपोर्ट की संभावनाएं भी तलाश करेंगे। दोनों कंपनियों के बीच आपसी सहयोग के लिए जॉइंट प्लेटफॉर्म बनाया जाएगा। अडानी ग्रुप का कारोबार पोर्ट, एयरपोर्ट, इन्फ्रा और ग्रीन एनर्जी समेत कई सेक्टर्स में फैला है। मार्केट कैप के हिसाब से यह टाटा ग्रुप और रिलायंस ग्रुप के बाद देश का तीसरा सबसे बड़ा ग्रुप है। ग्रुप की 11 लिस्टेड कंपनियां हैं। ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस हैं। Bloomberg Billionaire Index के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 107 अरब डॉलर है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 13वें नंबर पर हैं। अडानी की नेटवर्थ में इस साल 22.8 अरब डॉलर की तेजी आई है। पिछले साल हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट के कारण अडानी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। लेकिन अब अधिकांश शेयरों ने इसकी भरपाई कर ली है। ग्रुप की कई कंपनियां अपने सेक्टर में अग्रणी हैं।

एसोसिएशन द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में 1 लाख पौधे लगाने का लिया संकल्प

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

माननीय नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश जी विजयवर्गीय की 51 लाख पौधारोपण की परिकल्पना को सार्थक बनाने के उद्देश्य को पूर्णता देने हेतु एसोसिएशन द्वारा आज पौधारोपण के संकल्प में अपनी अहम भूमिका निभाने और 1 लाख से अधिक पौधे लगाने के लक्ष्य को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन प्रदेश के केबिनेट मंत्री माननीय श्री कैलाश जी विजयवर्गीय के गरिमामय आतिथ्य में आयोजित किया जिसमें बडी संख्या में उद्योगपति, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधिगण एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

अपने स्वागत उद्बोधन में अध्यक्ष श्री योगेश मेहता ने कहा कि एसोसिएशन माननीय मंत्री जी के 51 लाख पौधारोपण की पहल का स्वागत करता है और इंदौर जिले में जहां जहां भी संभव होगा 51 लाख पौधारोपण के लक्ष्य को सार्थक बनाने में अपना अमूल्य सहयोग करने को तत्पर रहेगा। आपने माननीय मंत्री जी के समक्ष 17 चिन्हित स्थानों पर कितने कितने मात्रा में वृक्षारोपण किया जाना है इसकी जानकारी देते हुए कहा कि देश, धर्म, जाति की दीवारों से परे वृक्षारोपण यह ऐसा मुद्दा है जिस पर पूरी दुनिया के लोगों को एक होना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण के प्रति हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझना होगी, तभी इसके ठोस परिणाम व प्रभाव देखने को मिलेगें। तेजी से बदलते जलवायू परिर्वतन और भीषण गर्मी के प्रकोप को न्यूनतम स्तर पर लाने के लिए वृक्षारोपण ही एकमात्र विकल्प हो सकता है जो आने वाली पीढि को गर्मी के प्रकोप से संरक्षण प्रदान करेगा। आपने सांवेर रोड के 4 सेक्टरों में जल संवर्धन की योजना एवं सांवेर रोड के 27 किलोमीटर सडकों के दोनों ओर पौधे लगाये जाने की परिलक्षित योजना पर प्रकाश डाला। एसोसिएशन ने प्लास्टिक एसोसिएशन के श्री प्रकाश जैन, सचिन बंसल, गुरविरसिंह एवं सदस्यों के सहयोग से पौधों को पानी देने के लिए दस हजार बाल्टी, मग्गे सहित प्लास्टिक दाने देने की भी हामी दी और प्रतिक स्वरूप मंत्री जी को बाल्टि और मग्गे भेट किये। पालदा एसोसिएशन के श्री प्रमोद जैन ने 4 हजार पौधे, पोलोग्राउंड में धनंजय चिंचालकर ने 1 हजार पौधे, विनय कालानी ने अपने पिताजी एवं एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष की स्मृति में 4 एकड जमीन पर वृक्षारोपण के साथ उनकी देखभाल करने की जिम्मेदार के साथ बोरिंग करने का संकल्प लिया। उद्योगपति श्री नवीन धूत ने एमार इंदौर ग्रीन में 130 एकड के 18 बगीचों में करीब 1 हजार आम के पौधे लगाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर माननीय मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने उद्योगपतियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान बढते गर्मी के प्रकोप एवं जलवायु परिवर्तन को देखते हुए यह संकल्प लिया है जिसमें सभी का सहयोग मिल रहा है। आपने 51 लाख पौधारोपण की संकल्पित योजना की विस्तृत जानकारी के साथ एसोसिएशन द्वारा किये जा रहे सहयोग की सराहना की और उद्योगपतियों से अधिक से अधिक पेड लगाकर उन्हें जिंदा रखने की जिम्मेदारी का आव्हान किया। आपने उद्योगपतियों से कहा कि पेड लगाना आसान है, लेकिन उन्हें बडा करना कठिन होता है, इसलिए पेड लगाने के साथ साथ उनकी बच्चो की तरह देखभाल भी करें, किसी कारण से पेड जिंदा न रहे तो दूसरा लगायें।

कार्यकम का संचालन श्री तरूण व्यास ने किया, इस अवसर पर प्रकाश जैन, प्रमोद डफरिया, ओम जी छूत, अनिल पालीवाल, राजन बवेजा, प्रतिक पटेल, हेमंत मेहतानी, गिरीश पंजाबी, हेमेन्द्र बोकाडिया, मनीष चौधरी, मधुसुदन भलिका आदि का संकल्प के ने माननीय मंत्री को अधिक साथ आत्मनिर्भर होने तक पडों की देखरेख का संकल्प लिया।

फॉगसी ने भारत में व्यस्क महिलाओं और नई माँओं के लिए विस्तृत टीकाकरण शेड्यूल पेश किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

फेडरेशन ऑफ ऑब्सटेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसायटीज़ ऑफ इंडिया (फॉगसी) ने हाल ही में महिलाओं के लिए एक विस्तृत टीकाकरण शेड्यूल पेश किया है, जिसमें व्यस्क महिलाओं और नई माँओं को लगाए जाने वाले आवश्यक टीकों की विस्तृत सूची और टीकाकरण की अनुशंसित आवृत्ति दी गई है। फॉगसी और एमएसडी फार्मा ने भारत में महिला टीकाकरण की जागरुकता बढ़ाने और टीकों द्वारा महिलाओं की बीमारियों को रोकने में मदद करने के लिए गठबंधन किया है।

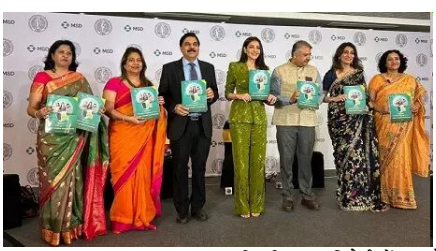

अभिनेत्री और महिला स्वास्थ्य की समर्थक, काजल अग्रवाल ने हाल ही में मुंबई में आयोजित एक समारोह में टीकाकरण शेड्यूल का अनावरण किया। इस अवसर पर उनके साथ डॉ. जयदीप टांक, प्रेसिडेंट, फॉगसी; डॉ. माधुरी पटेल, सेक्रेटरी जनरल, फॉगसी; प्रो. डॉ. हृषिकेश पाई, फॉगसी के पिछले प्रेसिडेंट और एफआईजीओ (एशिया - ओशिनिया) के वर्तमान ट्रस्टी; डॉ. रेशमा पाई, फॉगसी की पूर्व प्रेसिडेंट; डॉ. नंदिता पलशेतकर, फॉगसी की पूर्व प्रेसिडेंट और आईएसएआर (इंडियन सोसाइटी ऑफ आर्टिफिशियल रिप्रोडक्शन) की पिछली प्रेसिडेंट और डॉ. प्रिया गणेशकुमार, फॉगसी ऑन्कोलॉजी कमिटी की चेयरपर्सन मौजूद थीं, जो फॉगसी के लिए इस परियोजना का नेतृत्व कर रही हैं।

इस लॉन्च के बाद वक्ताओं ने 'महिलाओं में टीकाकरण और टीके द्वारा बीमारियों को रोकने के महत्व' (इंपॉर्टेंस ऑफ इम्युनाईज़ेशन एंड वैक्सीन प्रिवेंटेबल डिज़ीज़ेज़ इन वीमैन) पर एक पैनल वार्ता भी की। इस रिपोर्ट में सामने आया कि महिलाएं पुरुषों के मुकाबले खराब सेहत में 25 प्रतिशत ज्यादा समय बिताती हैं। टीकाकरण से इस स्थिति में परिवर्तन लाया जा सकता है और महिलाओं को टीका लगाकर उन्हें बीमारियों से बचाया जा सकता है, जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा।

फोनपे और पिकमी ने की साझेदारी

श्रीलंका में भारतीय यात्रियों के लिए अब कॉन्टैक्टलेस पेमेंट की सुविधा चालू

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

फोनपे ने पिकमी के साथ साझेदारी का ऐलान किया है। पिकमी श्रीलंका का प्रमुख राइड-हेलिंग (कैब सर्विस) प्लेटफ़ॉर्म है। श्रीलंका में अब भारतीय यात्री ळ्क्र्ष-आधारित QR पेमेंट कर सकते हैं। पिकमी के साथ सफ़र करते हुए यात्रियों को अब कैश पेमेंट करने की ज़रूरत नहीं है। इस साझेदारी से भारतीय यात्रियों को कैशलेस ट्रांजेक्शन की सुविधा मिलेगी। उन्हें यात्रा का बेहतर अनुभव देने की दिशा में यह अहम कदम है। अब भारतीय यात्री भंडारनायके इंटरनेशनल एयरपोर्ट से बाहर निकलते ही पिकमी के साथ कैशलेस ड्राइव का लुत्फ़ ले सकते हैं।

विदेश में यात्रा के दौरान उस देश की करेंसी की व्यवस्था करना और अलग-अलग खर्च के लिए अपने पास पर्याप्त कैश रखना भी एक परेशानी है। पिकमी अपने प्लेटफॉर्म पर फोनपे के UPI-आधारित QR पेमेंट सुविधा दे रहा है। इसका उद्देश्य श्रीलंका आने वाले भारतीय यात्रियों की मुश्किलें कम करना है। फोनपे यूज़र ळ्क्र्ष की मदद से अपनी राइड के लिए जल्द और सुरक्षित तरीके से पेमेंट कर सकते हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुन: प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।